राजस्थान पत्रिका patrika.com
बुधवार, 18 मई, 2022

परिवार

VOICE • INFORMA

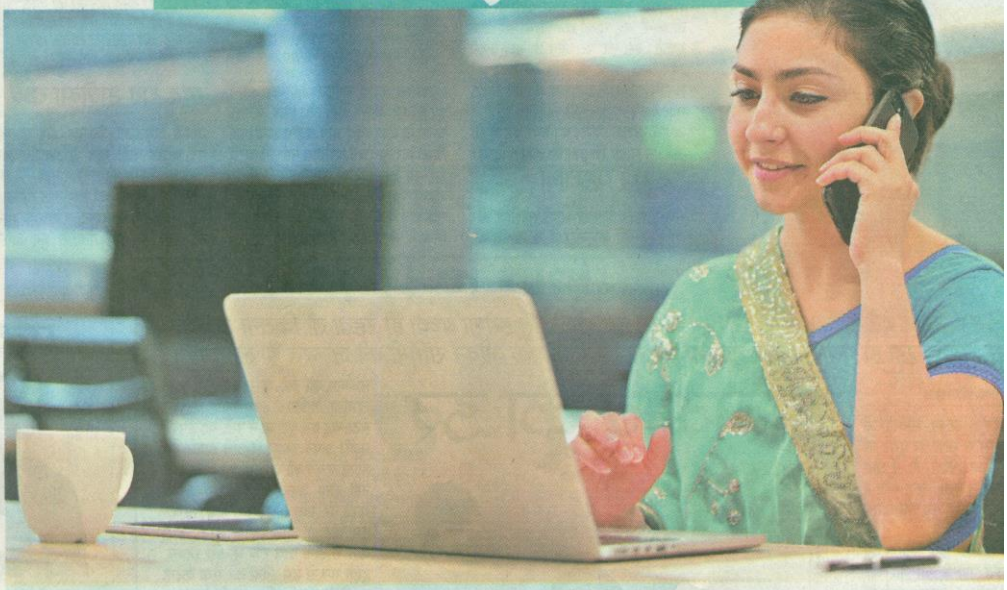

क्या आप बिजनेस शुरू करने की सोच रही हैं?

ऐसी महिलाओं की संख्या बहुत अधिक है, जो खुद का कारोबार शुरू करना चाहती हैं। एक दशक पहले तक बिजनेस शुरू करना महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण होता था, लेकिन नीतियों में बदलाव और वीमन वर्कफोर्स को बढ़ाने की पहल से महिला उद्यमियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अगर आप भी बिजनेस शुरू करना चाहती हैं तो आगे बढ़ें। अब महिलाओं को हर तरफ से मदद मिल रही है। जानते हैं कि बिजनेस के लिए फंड कैसे जुटाएं और कैसे इसकी शुरुआत करें।

ऐसे जुटा सकते हैं फंड

कोई भी बिजनेस जैसे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग स्टार्टअप हो या फिर बड़ा उद्योग, सब को फंड जुटाना पड़ता है। यह एक चुनौती भरा काम है, लेकिन इन तरीकों से भी आप फंड जनरेट कर सकती हैं, जैसे-

- सेल्फ फाइनेंसिंग
- एंजल इन्वेस्टर
- क्राउड फंडिंग
- नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनीज
- पीयर-टु-पीयर लेंडिंग
- बैंक लोन

सरकारी योजनाओं का ले सकती हैं लाभ

भारत सरकार की स्टार्टअप एंटरप्राइजेज, एसएमइ, एमएसएमइ सहित ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए कई स्कीम्स हैं। भारत लोन स्कीम, स्टार्टअप इंडिया, क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज, स्टैंड अप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन, मेक इन इंडिया, ट्रेड रिलेटेड एंटरप्रेन्योरशिप असिस्टेंस एंड डेवलपमेंट आदि।

अन्नपूर्णा स्कीम: जो महिलाएं फूड से जुड़ा बिजनेस करती हैं, वे इसमें लोन ले सकती हैं। इसमें हर महिला को 50 हजार रुपए तक लोन मिल सकता है।

भारतीय महिला बैंक बिजनेस लोन: इसमें महिला को 20 करोड़ रुपए तक लोन उनके बिजनेस मॉडल पर मिल सकता है।

मुद्रा लोन: इसमें लोन लिमिट 10 लाख रुपए तक होती है। इसमें बैंक एक मुद्रा कार्ड देती है, जो क्रेडिट कार्ड जैसा होता है, लेकिन इसमें एक बार में लोन लिमिट का दस फीसदी तक निकाल सकती है। अगर एक लाख लिमिट है तो 10 हजार रुपए तक निकाल सकती हैं।

महिला विकास स्कीम: यह उन महिलाओं के लिए है, जो किसी बिजनेस में 51 फीसदी से अधिक की शेयर धारक हैं। इसमें बैंक गारंटी की भी जरूरत नहीं है। ब्याज दर में भी छूट मिलती है। इसमें महिला 25 लाख रुपए तक लोन ले सकती है और लोन वापसी का समय भी सात साल का है।

प्रधानमंत्री रोजगार स्कीम: इसमें शहरी और ग्रामीण दोनों ही महिलाओं को लोन दिया जाता है। प्रोजेक्ट की कुल राशि का 15% सब्सिडी मिलती है। लोन लिमिट 2-5 लाख रुपए तक है। इसमें महिला की अधिकतम उम्र 35 वर्ष होनी चाहिए।

स्त्री शक्ति पैकेज: यह लोन उन महिलाओं को दिया जाता है, जिनकी किसी भी व्यवसाय में 50% या उससे अधिक भागीदारी है। स्त्री शक्ति पैकेज विशेष रूप से भारतीय स्टेट बैंक की ओर से दिया जाता है।

देना शक्ति योजना: यह लोन उन महिलाओं के लिए है, जो निर्माण, खुदरा व्यापार या छोटे उद्यमों में प्रगति करना चाहती हैं। यह योजना देना बैंक द्वारा प्रदान की जाती है।

सेन्ट कल्याणी योजना: ये लोन 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए हैं। यह सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की ओर से दिया जाता है।

शुरुआत से ही इन बातों का ध्यान रखें

- **बिजनेस** की शुरुआत से ही लक्ष्य तय करें कि आप खुद को कहां देखना चाहती हैं।
- **रुटीन** में छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं, जैसे पहले माह या वर्ष में आपको क्या उम्मीद है।
- **हर** काम का रिव्यू करते रहें, ताकि ग्रोथ या नुकसान का भी पता रहे।
- **बिजनेस** में चुनौतियां आएंगी, यह मानकर चलें। यह न सोचें कि यह केवल आपके साथ ही क्यों हो रहा है।
- **हर** चुनौती को बिजनेस का हिस्सा मानें। उससे कुछ सीखने की कोशिश कीजिए।
- **अपने** बिजनेस आइडिया पर भरोसा रखें। फीडबैक से परेशान न हों।
- **आप** पॉजिटिव कमेंट पर खुश हों, लेकिन निगेटिव फीडबैक से सीखते हुए उसे दूर करने की कोशिश करें।
- **काम** में नियमितता बहुत जरूरी है।
- **वर्क** लाइफ को बैलेंस रखें। बिजनेस में फैमिली सपोर्ट भी बहुत जरूरी है।
- **आप** लक्ष्य बड़ा रखें। बार-बार लक्ष्य बदले भी नहीं।

बिजनेस का चयन ऐसे करें

गृहिणी या कोई महिला बिजनेस शुरू करती है तो सबसे पहले अपनी रुचि और सुविधा का ध्यान रखे। जैसे अधिकतर महिलाओं को घर की जिम्मेदारी भी देखनी होती है। हम जो भी काम करते हैं, उसमें चुनौतियां आती हैं। इसके लिए पहले से ही तैयार रहना चाहिए। जीवन की तरह बिजनेस में भी उतार-चढ़ाव लगा रहता है।

डॉ. अमित द्विवेदी,
प्रोजेक्ट डायरेक्टर, इडीआइआइ, अहमदाबाद

गौरी मेठी,
सीए, जयपुर

...इसलिए भी महिलाओं को आगे आना चाहिए

- **पुरुषों** की तुलना में महिलाएं कम निवेश में तीन गुना अधिक रिटर्न प्राप्त करती हैं।
- **महिला** मल्टी-टास्कर होती हैं। वे कई कार्यों का संचालन सफलता से कर लेती हैं। इसमें भी महिलाएं, पुरुषों की अपेक्षा आगे हैं।
- **बैन** एंड कंपनी के सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 45% से अधिक महिलाएं अपनी पहचान बनाने के लिए बिजनेस कर रही हैं।
- **महिलाओं** के नेतृत्व वाले स्टार्टअप पुरुषों की तुलना में 35% अधिक रिटर्न देते हैं।
- **केपीएमजी** के एक सर्वेक्षण के अनुसार, बिजनेस के लिए 43% महिलाएं अधिक जोखिम लेने को तैयार हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाएं अधिक मौकों व कल्पनाओं को अवसरों में बदल देती हैं।
- **देश** में 45% स्टार्टअप का संचालन महिलाएं करती हैं। ऐसे ही 50,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता भी मिली है। 2021 में सबसे अधिक महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को यूनिकॉर्न में बदला गया है।
- **देश** की कुल वयस्क आबादी की तुलना में 2.6 फीसदी महिलाएं एंटरप्रेन्योर हैं।
- **वीमन** एंटरप्रेन्योर की विश्व सूची में भारत 9वें नंबर पर है।